धर्मी राजा योशिय्याह ने परमेश्वर के वचनों का पालन किया

प्रार्थना: प्रिय प्रभु, बच्चों की सहायता कीजिये ताकि वे आपके वचनों का सम्मान कर सकें और उनपर भरोसा रख सकें ।

ऐसी गतिविधियों का चुनाव करें जो बच्चों की आयु, उनकी आवश्यकताओं तथा उनके आत्मिक उन्नति के स्तर की हों जिससे वे अच्छी तरह सीख सकें।

बालक राजा योशिय्याह की कहानी सिखाने की तैयारी कीजिये। पढ़ें, 2 इतिहास 34:1-21 तथा पद 29-33, यह पाठ्यांश बाइबल-पठन के महत्व पर प्रकाश डालता है।

किसी बड़े बच्चे से यह कहानी पढ़ने अथवा मुखाग्र सुनाने के लिये कहें तत्पश्चात् निम्न प्रश्न पूछें :(प्रत्येक प्रश्न के साथ उत्तर भी लिखे हैं)

- झूठे देवताओं की मूर्तियों व वेदियों के साथ राजा योशिय्याह ने क्या किया?(पद 3-4 देखें)
- हिल्कियाह याजक ने परमेश्वर की व्यवस्था की पुस्तक कहां पाई? (देखें पद 15)
- जब राजा ने उस व्यवस्था की पुस्तक को पढ़ा, और पाया कि उसके पुरखों ने उसके नियमों का पालन नहीं किया है, तो अपना दु:ख प्रकट करने के लिये उसने क्या किया? (देखें पद 19)
- परमेश्वर का वचन सुनने के पश्चात् लोगों ने एक साथ मिलकर क्या करने का निर्णय लिया? (पद 32)
- क्या लोग परमेश्वर के वचनों का पालन करके, अपने राजा के नमूने, पर चले? (देखें पद 33)

गतिविधियॉ

- छोटे बच्चों के लिये: बाइबल कहीं छिपा दीजिये और बच्चों से ढुढ़ने के लिये कहिए, फिर समझाएं कि जब योशिय्याह राजा बना था तब ऐसा ही हुआ था।
- बड़े बच्चों के लिये (यदि उनके पास बाइबल है): बाइबल की विभिन्न पुस्तकों के अंशों के अध्याय व पद बोलें और बच्चों से कहें कि वे शीघ्रता से निकालकर पढ़ें। ऐसा करने से वे सीखेंगे कि कहां क्या वृतान्त पाया जाता है।

राजा योशिय्याह की कहानी के **नाटकीय** भाग

- मुख्य आराधना सभा के अगुवे के साथ मिलकर इस नाटक का आयोजन कीजिये जिसे बच्चे प्रस्तुत कर सकें।
- तैयारी करने में बड़े बच्चे छोटों की सहायता करें।
- बड़े बच्चे या युवा, योशिय्याह, हिल्कियाह व उद्घोषक की, जो कहानी का सारांश प्रस्तुत करेगा तथा बच्चों को याद दिलाएगा कि उन्हें क्या बोलना और क्या करना है, भूमिका करें।
- छोटे बच्चे मज़दूरों व आम लोगों की भूमिका अदा करें। मज़दूरों के पास मेज़ पर या कुर्सी पर कागज़ों से ढकी हुई बाइबल हो। आम लोगों की भूमिका करने वाले बच्चों के पास कुछ वेदी बनाने के लिये पत्थरों के टुकड़े, सिक्कों को दिखाने के लिये कंकड़, व एक छोटा सा बक्सा हो।

उद्घोषक: 2 इतिहास 34:1-21 के आधार पर कहानी का प्रथम भाग बताए तब कहे, राजा योशिय्याह ने इस प्रकार लोगों से कहा :

योशिय्याह : इस्राएली लोगो, हमने मूर्तिपूजा करके परमेश्वर को क्रोध दिलाया है, आओं हम सब मिलकर मूर्तियों को नष्ट कर दें!

आम लोग: पत्थर की मूर्तियों व वेदियों पर प्रहार करने लगते हैं।

योशियाह: हमें परमेश्वर के मंदिर की मुरम्मत कराना चाहिये, कौन इस विशाल कार्य के लिये धन देगा?

आम लोग: बक्से में सिक्के डालते हैं, वे कहते हैं मंदिर की मुरम्मत के लिये हम भेंट चढ़ाते हैं ।

मज़दूर: सिक्के लेते हैं और बनाने के कार्य का अभिनय करते हैं। तभी उन्हें पुस्तक मिलती है जिसे वे हिल्कियाह को देते हैं।

हिल्कियाह: राजा योशिय्याह, देखिए, हमें मंदिर में यह क्या मिला है? यह परमेश्वर की व्यवस्था है। लेकिन हमने इसका पालन नहीं किया है। हमने परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन किया है।

राजा: क्षणभर पुस्तक की ओर देखता है, फिर कहता है, सब लोगों को एकत्रित किया जाए, उन्हें जानना चाहिये कि परमेश्वर उनसे क्या चाहता है। हमें उसके नियमों का उल्लंघन करने की परमेश्वर से क्षमा मांगनी चाहिये।

आम लोग: आप धन्य राजा हैं, हम सब आपके नमूने पर चलेंगे ।

बड़े बच्चे अथवा युवा बच्चे : जब नाटक समाप्त हो जाए तो जिन्होंने सहायता की है, प्रत्येक का धन्यवाद करें ।

प्रश्न: यदि बच्चों ने इस कहानी पर नाटक प्रस्तुत किया है तो वे बच्चे युवाओं से भी सूची में दिए गये प्रश्न पूछ सकते हैं ।

बाइबल का एक चित्र बनाएं और बच्चों से भी वैसा चित्र बनाने के लिये कहें । बड़े बच्चे शायद ऐसा चित्र बनाना पसन्द करेंगे जिसमें एक बालक अपने हृदय से बाइबल लगाकर दिखाया गया हो।

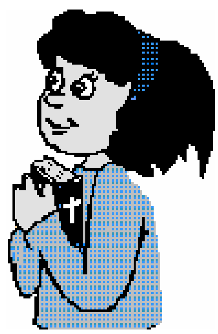

- आराधना के समय बच्चों को अपने चित्र युवाओं को दिखाने के लिए कहिए ।
- बच्चों को समझाईए कि यह चित्र प्रकट करता है कि हम परमेश्वर के वचनों से प्रेम रखते हैं और दिन-रात उसी पर ध्यान करते हैं।

बच्चों को अन्य उदाहरण भी देने के लिये कहें जो बताते हों कि परमेश्वर ने किस प्रकार अपने लोगों को अपने वचन के द्वारा मार्गदर्शन दिया है।

कविताएं: बच्चों को भजनसंहिता 119:1-2, 9-11 पदों को याद करने को कहें।

बड़े बच्चों को कहें कि वे गीत या कविताएं लिखें जो परमेश्वर के वचन से संबंधित हों कि कैसे परमेश्वर का वचन हमारी सहायता करता है।

छोटे बच्चे यह पद याद करें : 2 तीमुथियुस 3:16, तथा बड़े बच्चे 2 तीमुथियुस 3:16-17 याद करें।

प्रार्थना: पिता परमेश्वर आपका वचन हमारा मार्गदर्शन करता और हमें सान्त्वना प्रदान करता है। हमारी सहायता कीजिये कि हम आपके वचनों को अधिकाधिक समझ सकें और उनका पालन कर सकें तथा उन वचनों में अपना आनन्द अनुभव कर सकें।